Title: Need to supply good quality of rice to the tribal areas of Madhya Pradesh by the Food Corporation of India (FCI).

श्री कान्ति लाल भूरिया : अध्यक्ष महोद्य, मैं बहुत ही लोक महत्व का प्रश्न उठा रहा हूं। मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र में भारतीय खाद्य निगम द्वारा जो चावल भेजा जा रहा है, वह बहुत ही घटिया किस्म का है। उसे मवेशी भी नहीं खा सकते हैं। मेरा संसदीय क्षेत्र 87 प्रतिशत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है।

अध्यक्ष महोद्य, मेरे क्षेत्र में लगभग 87 परसेंट ट्राइबल लोग हैं और वहां इस तरह का चावल दिया जा रहा है जो भूसे के समान है। उसे मवेशी भी नहीं खा सकते हैं, ऐसा चावल वहां सप्लाई किया जा रहा है। इस कारण वहां के आदिवासी बीमार और परेशान हैं। ऐसी स्थिति में मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप सरकार को निर्देशित करें कि झाबुआ, रतलाम, धार और खरगौन आदि क्षेत्र, जहां भारतीय खाद्य निगम के अधिकारी सीधे गांव में माल ले जाते हैं और वहां जो सोसाइटी की दुकाने या एजेन्सीज हैं, वहां माल खाली करके आ जाते हैं और दबाव डालते हैं कि आपको यही चीज बांटनी पड़ेगी। वहां कर्मचारी कह रहे हैं कि आदिवासी इसे नहीं ले रहे हैं। आदिवासी लोग इससे मर रहे हैं, बीमार हो रहे हैं। वहां मुसीबत खड़ी हो गई है, लेकिन उन पर दबाव डालकर माल खाली करवा रहे हैं।

अध्यक्ष महोद्य, यहां वित्त मंत्री जी भी है और संसदीय कार्य मंत्री जी भी हैं। मैं चाहता हूं कि आप शासन को निर्देशित करें कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों को कम से कम मवेशी न समझे, पशु न समझें। वहां इतना घटिया चावल, जिसे कोई खा नहीं सकता, निगम से लाकर बांट रहे हैं, जिसके कारण वहां के लोग मारे जा रहे हैं, मौत के मुंह में जा रहे हैं। इस कारण आदिवासी क्षेत्र आज लावारिस हो गया है। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि वहां जितना भी चावल भेजा जा रहा है, उसके ऊपर रोक लगायें और वहां अच्छे किस्म का चावल भेजा जाए। उस क्षेत्र के लोग मक्का आदि मोटा अनाज खाते हैं, लेकिन उन्हें ठीक अनाज नहीं भेजा जा रहा है, बल्कि घटिया सामान भेजा जा रहा है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप

सरकार को निर्देशित करें कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों को पशु न समझें, उनके लिए अच्छे किस्म का खाद्यान्न भेजा जाए। यही मेरा आपसे अनुरोध है। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।